

This question paper contains 8 printed pages]

Your Roll No.

859

B.A. (Programme)/II/III D

SANSKRIT LANGUAGE—Paper II

(संस्कृत वागव्यवहार, भगवद्गीता, व्याकरण तथा संस्कृत लेखन)

(Admissions of 2005/2006 and onwards in respect of

the students of Regular Colleges/NCWEB)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 60

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी :- (i) अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

(ii) प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

P.T.O.

Note :— (i) Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

(ii) The maximum marks printed on the question paper are applicable for the students of the regular colleges (Cat. 'A'). These marks will, however, be scaled up proportionately in respect of the students of NCWEB at the time of posting of awards for compilation of result.

All questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड-I

(Section-I)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच सूत्रों की व्याख्या कीजिए : 10

Explain any *five* of the following Sutras :

(i) इको यणचि

- (ii) आद् गुणः
- (iii) एङि पररूपम्
- (iv) ष्टुना ष्टुः
- (v) मोऽनुस्वारः
- (vi) यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा
- (vii) हशि च
- (viii) शि तुक्
- (ix) ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः ।
2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच की सन्धि कीजिए : .5

Join Sandhis, in any *five* of the following :

- (i) वित्त + एषण।
- (ii) गुरु + उपदेशः
- (iii) पौ + अकः

(iv) उप + ऋच्छति

(v) तत् + लीनः

(vi) हरिः + शेते

(vii) वाक् + ईशः

(viii) सद् + जनः ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो संज्ञाओं के विधायक सूत्र लिखकर

उनके अर्थ भी स्पष्ट कीजिए :

5

Quoting relevant sutras, explain any *two* of the following

terms :

सवर्ण, पद, वृद्धि, करण, अनुनासिक ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : 5

Write Varnas of any *five* of the following Pratyaharas :

अक्, यञ्, झल्, यण्, खर्, भष्, यम् ।

5. अधिकरण कारक किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । 2

What is Adhikarana Karaka ? Explain it with examples.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन रेखांकित शब्दों की विभक्ति का कारण लिखिए : 3

Account for the case-ending in any *three* of the following underlined words :

- (i) गां दोग्धि पयः ।
- (ii) जनकेन सह ग्रामं गच्छति ।
- (iii) देवाय नमः ।
- (iv) नेत्रेण काणः ।
- (v) ग्रामम् उभयतः जलम् अस्ति ।

खण्ड-II**(Section-II)**

1. निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक का अनुवाद कीजिए : 5

Translate any *one* of the following Slokas :

(क) मय्येव मन आधत्स्व मयि बुद्धिं निवेशय ।

निवसिष्यसि मय्येव अत ऊर्ध्वं न संशय ॥

(ख) समः शत्रौ च मित्रे च तथा मानापमानयोः ।

शीतोष्णसुखदुःखेषु समः सङ्गविवर्जितः ॥

2. निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 5

Explain with reference to the context any *one* of the following

Slokas :

(क) ये तु सर्वाणि कर्माणि मयि संन्यस्य मत्पराः ।

अनन्येनैव योगेन मां ध्यायन्त उपासते ॥

(ख) श्रेयो हि ज्ञानमभ्यासाज्ज्ञानाद् ध्यानं विशिष्यते ॥

ध्यानात् कर्मफलत्यागस्त्यागाच्छान्तिरनन्तरम् ॥

खण्ड-III**(Section-III)**

1. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

Write answers of the given questions on the basis of the following paragraph :

एकदा कस्मिंश्चिद् वने अटन् एकः सिंहः श्रान्तो भूत्वा निद्रां गतः । अस्मिन् अवसरे कश्चिद् क्षुद्रो मूषकः तन्मुखे पतित्वा तस्य निद्राभङ्गं चकार । अतः सः सिंहः कोपेन तं मूषकं व्यापादयितुम् ऐच्छत् । भयाकुलो मूषकः प्राणरक्षार्थं तं बहुधा दयायाचनां कृतवान् । सिंहेनापि दया प्रदर्शिता तस्मिन् मूषके ।

- (क) सिंहः कुत्र अटन् आसीत् ?
- (ख) कः निद्रां गतः ?
- (ग) मूषकेन किं कृतम् ?
- (घ) सिंहः कोपेन किम् ऐच्छत् ?
- (ङ) मूषकः प्राणरक्षार्थं किं कृतवान् ?

2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दस वाक्यों का अनुच्छेद लिखिए : 10

Write a paragraph of *ten* sentences on any *one* of the following topics :

- (क) मम प्रियकविः
(ख) श्रीमद्भगवद्गीता
(ग) होलिकोत्सवः
(घ) मम जन्मभूमिः ।